लाज | By Sanjeev Sharma

थां बिन म्हारी श्याम कुण लाज बचावे रे
लाज बचावे रे श्याम कुण हिवड़े लगावे रे

नाव है छोटी छोटो माझी खाये रयो हिचकोले
कठे छिप्यो है श्याम बिहारी क्यों ना अँखियाँ खोले
मुझ गरीब की नैया ने कुण पार लगावे रे

तेरो टाबर होकर कान्हा क्यों इतना दु:ख पाऊं
जितना सताले जी माँ थारी चौखट से ना जाऊं
ओम की साँची प्रीत को यो यो ही न्याय चुकावे रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c-by-sanjeev-sharma/